


| | | |
|---|--|------------------------------------|
|  सत्यमेव जयते | राजस्थान राजपत्र विशेषांक | RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary |
| | साधिकार प्रकाशित | Published by Authority |
| | भाद्र 23, सोमवार, शाके 1942-सितम्बर 14, 2020 <i>Bhadra 23, Monday, Saka 1942-September 14, 2020</i> | |

भाग 4 (ग)

उप-खण्ड (I)

राज्य सरकार तथा अन्य राज्य-प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये (सामान्य आदेशों, उप-विधियों आदि को सम्मिलित करते हुए) सामान्य कानूनी नियम।

खान (गुप-2) विभाग

अधिसूचना

जयपुर, दिसम्बर 24, 2019

संख्या प.14(9)खान/गुप-2/2015 पार्ट :- राजस्थान राजभाषा अधिनियम, 1956 (1956 का अधिनियम संख्या 47) की धारा 4 के परन्तुक के अनुसरण में इस विभाग की अधिसूचना संख्या प.14(9)खान/गुप-2/2015 पार्ट-II दिनांक 20.06.2017 का हिन्दी अनुवाद सर्वसाधारण की सूचनार्थ एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है:-

राज्यपाल के आदेश से,

शुभम चौधरी,

संयुक्त शासन सचिव

(प्राधिकृत हिन्दी अनुवाद)

अधिसूचना

जयपुर, 20 जून, 2017

खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 (1957 का केन्द्रीय अधिनियम सं. 67) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार, राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियम, 2017 को और संशोधित करने के लिए, इसके द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात:-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.- (1) इन नियमों का नाम राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत (दूसरा संशोधन) नियम, 2017 है।

(2) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. नियम 4 का संशोधन.- राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियम, 2017, जिन्हें इसमें इसके पश्चात उक्त नियमों के रूप में निर्दिष्ट किया गया है, के नियम 4 में,-

(i) उप-नियम (1) के खण्ड (iv) में विद्यमान अभिव्यक्ति “ स्थिर भाटक के ढाई गुना के बराबर या सरकार द्वारा समय-समय पर आवधारित प्रीमियम राशि, जो प्रतिवर्ष अग्रिम रूप से संदेय होगी ” के स्थान पर अभिव्यक्ति “स्थिर भाटक के ढाई गुना के बराबर एक बारीय प्रीमियम राशि जो संदेय होगी” प्रतिस्थापित की जायेगी। ;

(ii) उप-नियम (1) का विद्यमान प्रथम परन्तुक हटाया जायेगा ; और

- (iii) उप-नियम (1) के विद्यमान द्वितीय परन्तुक में विद्यमान अभिव्यक्ति “परन्तु यह और कि” के स्थान पर अभिव्यक्ति “परन्तु” प्रतिस्थापित की जायेगी।

3. नियम 5 का संशोधन.- उक्त नियमों के नियम 5 में,-

- (i) उप-नियम (1) में विद्यमान अभिव्यक्ति “स्थिर भाटक के ढाई गुना के बराबर या सरकार द्वारा समय-समय पर यथाविहित प्रीमियम राशि जो प्रतिवर्ष अग्रिम रूप से संदेय होगी” के स्थान पर अभिव्यक्ति “स्थिर भाटक के ढाई गुना के बराबर एक बारीय प्रीमियम राशि संदाय जो अग्रिम रूप से संदेय होगी” प्रतिस्थापित की जायेगी ;

- (ii) उप-नियम (1) का विद्यमान प्रथम परन्तुक हटाया जायेगा। ;

- (iii) उप-नियम (1) के विद्यमान द्वितीय परन्तुक में,-

(क) विद्यमान अभिव्यक्ति “परन्तु यह और कि” के स्थान पर अभिव्यक्ति “परन्तु” प्रतिस्थापित की जायेगी। ; और

(ख) विद्यमान अभिव्यक्ति “वहां खातेदार का पंजीकृत सहमति विलेख इन नियमों के प्रारंभ की तारीख से तीन मास की कालावधि के भीतर-भीतर प्रस्तुत किया जायेगा, यदि ऐसा सहमति विलेख उक्त तीन मास की कालावधि के भीतर-भीतर प्रस्तुत नहीं किया जाता है” के स्थान पर अभिव्यक्ति “वहां खदान अनुज्ञप्ति की स्वीकृति से पूर्व प्रस्तुत किया जायेगा यदि ऐसा सहमति विलेख प्रस्तुत नहीं किया जाता है” प्रतिस्थापित की जायेगी ; और

- (iv) विद्यमान उप-नियम (2) के पश्चात और विद्यमान उप-नियम (3) से पूर्व निम्नलिखित नया उप-नियम (2क) अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात:- “(2 क) जहां मंशा पत्र राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत, नियम, 1986 के अधीन लॉटरी के माध्यम से या खातेदारी भूमि में जारी किया गया है और आवेदन इन नियमों के नियम 89 के उपबंधों के अनुसार अस्वीकृत समझा गया था तो जो इन नियमों में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, ऐसे आवेदन पर विचार किया जायेगा, यदि स्थिर भाटक या अनुज्ञप्ति शुल्क जो अग्रिम थी, के ढाई गुना के समतुल्य एक बारीय प्रीमियम के संदाय के अध्यधीन रहते हुए इन नियमों के अधीन प्राप्त हुआ था, और जो स्थिर भाटक या अनुज्ञप्ति शुल्क या किराये के पेटे समायोजित नहीं की जायेगी। ऐसा आवेदन नियम 16 के उपबंधों के अनुसार सक्षम प्राधिकारी द्वारा या, यथास्थिति, नियम 17 के उपबंधों के अनुसार संबंधित खनि अभियंता या सहायक खनि अभियंता द्वारा निपटाया जायेगा।”।

4. नियम 6 का संशोधन.- उक्त नियमों के नियम 6 के उप-नियम (1) में,-

- (i) विद्यमान अभिव्यक्ति “स्थिर भाटक के ढाई गुना के बराबर या सरकार द्वारा समय-समय पर यथाविहित प्रीमियम राशि जो प्रतिवर्ष अग्रिम रूप से संदेय होगी” के स्थान पर अभिव्यक्ति “स्थिर भाटक के ढाई गुना के समतुल्य एक बारीय प्रीमियम जो अग्रिम रूप से संदेय होगा” प्रतिस्थापित की जायेगी ;

- (ii) विद्यमान प्रथम परन्तुक हटाया जायेगा ;

- (iii) विद्यमान द्वितीय परन्तुक में विद्यमान अभिव्यक्ति “परन्तु यह और कि” के स्थान पर अभिव्यक्ति “परन्तु” प्रतिस्थापित की जायेगी ; और

- (iv) विद्यमान तृतीय परन्तुक में विद्यमान अभिव्यक्ति “परन्तु यह भी कि” के स्थान अभिव्यक्ति “परन्तु यह और कि” प्रतिस्थापित की जायेगी।

5. नियम 20 का संशोधन.- उक्त नियमों के नियम 20 के विद्यमान उप-नियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात:-

“(2) सम्पादन प्रतिभूति निक्षेप की राशि होगी:-

- (i) खनन पट्टे के लिए वार्षिक स्थिर भाटक के 50 प्रतिशत के बराबर राशि ; और
- (ii) खदान अनुज्ञप्ति के लिए वार्षिक अनुज्ञप्ति शुल्क के 50 प्रतिशत के बराबर राशि।”

6. नियम 23 का संशोधन.- उक्त नियमों के नियम 23 के विद्यमान उप-नियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात:-

“(2) पट्टे की लिखत में या इन नियमों के प्रारंभ के समय प्रवृत्त किसी भी विधि या नियम में किसी बात के होते हुए भी,

- (i) खनिज रियायत नियम, 1960 के अधीन स्वीकृत किसी भी खनिज और तत्पश्चात अप्रधान खनिज के रूप में घोषित खनिज के खनन पट्टे का धारक 31.08.2017 तक 01.09.2014 को विद्यमान दर पर और तत्पश्चात पट्टे की लिखत में अंतर्विष्ट समस्त क्षेत्रों के लिए, समय-समय पर यथासंशोधित, अनुसूची 3 में विनिर्दिष्ट दरों के अनुसार स्थिर भाटक सरकार को संदेय करेगा; या
- (ii) राजस्थान खनिज रियायत नियम, 1986 के अधीन स्वीकृत किसी भी खनिज के खनन पट्टे का धारक 31.08.2017 तक 28.02.2017 को विद्यमान दर पर और तत्पश्चात पट्टे की लिखत में अंतर्विष्ट समस्त क्षेत्रों के लिए, समय-समय पर यथासंशोधित, अनुसूची 3 में यथाविनिर्दिष्ट दर पर स्थिर भाटक सरकार को संदेय करेगा:

परन्तु उपर्युक्त खण्ड (i) या, यथास्थिति, (ii) के अनुसार संगणित स्थिर भाटक, विद्यमान स्थिर भाटक के दो गुना से अधिक नहीं होगा और यदि अधिक होता है, तो विद्यमान स्थिर भाटक के दो गुना तक सीमित किया जायेगा:

परन्तु यह और कि प्रति हैक्टेयर एक हजार रुपये तक विद्यमान स्थिर भाटक संदेय करने वाला खनन पट्टे का धारक, प्रति हैक्टेयर न्यूनतम दो हजार रुपये संदेय करेगा: परन्तु यह भी कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियम, 1986 के अधीन अनुदत्त पट्टे के मामले में, खण्ड (II) के अनुसार स्थिर भाटक का पुनरीक्षण, राजस्थान खनिज रियायत नियम, 1986 के नियम 18 के उप-नियम (3) के अधीन किये गये अंतिम पुनरीक्षण की तारीख से तीन वर्ष के अवसान के पश्चात किया जायेगा।”

7. नियम 27 का संशोधन.- उक्त नियमों के नियम 27 के उप-नियम (9) में,-

- (i) विद्यमान प्रथम परन्तुक के पश्चात और विद्यमान द्वितीय परन्तुक के पूर्व निम्नलिखित नया परन्तुक अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात:-

“परन्तु यह और कि जहां अंतरिती, अन्तरक की पत्नी/पति या पुत्र/पुत्री है तो प्रीमियम राशि पचास हजार रुपये होगी।”;

- (ii) विद्यमान अन्तिम परन्तुक में विद्यमान अभिव्यक्ति “परन्तु यह और कि” के स्थान पर अभिव्यक्ति “परन्तु यह भी कि” प्रतिस्थापित की जायेगी।

8. नियम 28 का संशोधन.- उक्त नियमों के नियम 28 में,-

- (i) उप-नियम (1) में, खण्ड (ii) के विद्यमान उप-खण्ड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात:-
“(ख) इन नियमों के अधीन नीलामी के माध्यम से स्वीकृत पटटे या अनुज्ञप्ति का पटटेदार या अनुज्ञप्तिधारी नियम 13 में यथाविनिर्दिष्ट प्रीमियम राशि का भी संदाय करेगा” ; और
- (ii) उप-नियम (2) में, खण्ड (ii) में, विद्यमान अभिव्यक्ति “ऐसा वार्षिक स्थिर भाटक अग्रिम रूप से संदत्त करेगा” के स्थान पर अभिव्यक्ति “त्रैमासिक समान किस्तों पर ऐसा वार्षिक स्थिर भाटक अग्रिम रूप से संदत्त करेगा” प्रतिस्थापित की जायेगी।

9. नियम 53 का संशोधन.- उक्त नियमों के नियम 53 में,-

- (i) विद्यमान उप-नियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात:-
(2) ईट मिट्टी जिसके लिए अनुज्ञापत्र स्वीकृत किया गया था की मात्रा निम्नलिखित फार्मूला के आधार पर संगणित की जायेगी:-
ईट मिट्टी की वार्षिक मात्रा (टन) = $150 \times \text{डब्ल्यू} \times \text{एन}$ जहां डब्ल्यू से 9" x 4.5" x 3" के आकार की एक हजार ईंटों का भार अभिप्रेत है और जो 2.8 टन माना जायेगा और एन से इसकी चौड़ाई के साथ ईट भटटे की बाहरी और भीतरी दीवारों के मध्य ईंटों के क्षैतिज स्तंभ (घोड़ियों) की संख्या अभिप्रेत है। अनुज्ञापत्र की वार्षिक मात्रा की अधिशुल्क अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट दरों पर उपर्युक्त वर्णित फार्मूला द्वारा संगणित की जायेगी।” ;
- (ii) उप-नियम (4) में,-
(क) विद्यमान खण्ड (viii) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात:-
“(viii) वार्षिक अधिशुल्क के एक चौथाई के बराबर प्रथम किस्त; और” ; और
(ख) खण्ड (ix) में विद्यमान अभिव्यक्ति “ पन्द्रह हजार रुपये का” के स्थान पर अभिव्यक्ति “वार्षिक अधिशुल्क के पचास प्रतिशत के बराबर” प्रतिस्थापित की जायेगी।;
- (iii) उप-नियम (8) में,-
(क) विद्यमान खण्ड (i) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात:-
(i) अनुज्ञापत्र धारक, त्रैमासिक समान किस्तों पर जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास को अंशदान सहित वार्षिक अधिशुल्क अग्रिम में निक्षिप्त करेगा; “;
(ख) विद्यमान खण्ड (v) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात:-
“(v) अनुज्ञापत्र धारक अधिशुल्क की वृद्धि की तारीख से साठ दिवस के भीतर-भीतर उप-नियम (4) के खण्ड (ix) में यथावर्णित कुल प्रतिभूति निक्षेप की कोई अतिरिक्त राशि निक्षिप्त करायेगा ; “ और
(ग) विद्यमान खण्ड (vii) में, विद्यमान अभिव्यक्ति “ऐसे मामले में अनुज्ञापत्र का अध्यर्पण संबंधित खनि अभियंता या सहायक खनि अभियंता द्वारा स्वीकृत किया जा सकेगा यदि अनुज्ञापत्र धारक के विरुद्ध कोई शोध्य नहीं है” के स्थान पर

अभिव्यक्ति “अनुज्ञापत्र धारक अध्यर्पण की आशयित तारीख वर्णित करते हुए संबंधित खनि अभियंता या सहायक खनि अभियंता को कोई शोध न होने के प्रमाणपत्र के साथ इस संबंध में आवेदन करके ईट मिटटी अनुज्ञापत्र को अध्यर्पित कर सकेगा:

परन्तु अनुज्ञापत्र के अध्यर्पण के लिए आवेदन केवल वहां अनुज्ञात किया जायेगा जहां यह एक या अधिक पूर्ण वर्ष (वर्षों) के लिए है।” प्रतिस्थापित की जायेगी।

10. नियम 74 का संशोधन.- उक्त नियमों के नियम 74 के उप-नियम (2) के विद्यमान खण्ड (iv) के पश्चात और विद्यमान खण्ड (v) से पूर्व निम्नलिखित नया खण्ड (iv-क) अन्तस्थापित किया जायेगा, अर्थात:-

“(iv-क) गैर वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए आवा कजावा द्वारा ईटे बनाने के लिए उपयोग की जाने वाली ईट मिटटी का उत्खनन ;”

11. प्रारूप-6 का संशोधन.- उक्त नियमों से संलग्न प्रारूप-6 में, खण्ड 4 के उप-खण्ड (3) में विद्यमान अभिव्यक्ति “वार्षिक स्थिर भाटक”, के स्थान पर अभिव्यक्ति “त्रैमासिक समान किस्तों पर संगणित वार्षिक स्थिर भाटक अग्रिम रूप से संदत्त करेगा” प्रतिस्थापित की जायेगी।

12. प्रारूप-28 का संशोधन.- उक्त नियमों से संलग्न प्रारूप-28 में,-

- (i) द्वितीय सारणी के शीर्ष में, विद्यमान अभिव्यक्ति “वार्षिक अनुज्ञापत्र शुल्क” के स्थान पर अभिव्यक्ति “वार्षिक अधिशुल्क” प्रतिस्थापित की जायेगी ;
- (ii) द्वितीय सारणी के स्तंभ 5 में, विद्यमान अभिव्यक्ति “ शुल्क” के स्थान पर अभिव्यक्ति “अधिशुल्क” प्रतिस्थापित की जायेगी ;
- (iii) शर्तों में,-

(क) विद्यमान खण्ड (i) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात:-

“(i) अनुज्ञापत्र धारक, त्रैमासिक समान किस्तों पर जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास को अंशदान सहित वार्षिक अधिशुल्क अग्रिम में निक्षिप्त करेगा; “;

(ख) विद्यमान खण्ड (v) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात:-

“(v) अनुज्ञापत्र धारक अधिशुल्क की वृद्धि की तारीख से साठ दिवस के भीतर-भीतर, नियम 53 के उप-नियम (4) के खण्ड (ix) में यथावर्णित कुल प्रतिभूति निक्षेप की कोई अतिरिक्त राशि निक्षिप्त करायेगा ; “ और

(ग) विद्यमान खण्ड (अपप) में, विद्यमान अभिव्यक्ति “ऐसे मामले में अनुज्ञापत्र का अध्यर्पण संबंधित खनि अभियंता या सहायक खनि अभियंता द्वारा स्वीकृत किया जा सकेगा यदि अनुज्ञापत्र धारक के विरुद्ध कोई शोध नहीं है” के स्थान पर अभिव्यक्ति “अनुज्ञापत्र धारक अध्यर्पण की आशयित तारीख वर्णित करते हुए संबंधित खनि

अभियंता या सहायक खनि अभियंता को कोई शोध न होने के प्रमाणपत्र के साथ इस संबंध में आवेदन करके ईट मिट्टी अनुज्ञापत्र को अध्यर्पित कर सकेगा:

परन्तु अनुज्ञापत्र के अध्यर्पण के लिए आवेदन केवल वहां अनुज्ञात किया जायेगा जहां यह एक या अधिक पूर्ण वर्ष (वर्षों) के लिए है।” प्रतिस्थापित की जायेगी।

[सं. एफ.14(9)खान/ग्रुप-2/2015-पार्ट-II,

राज्यपाल के आदेश से,

इकबाल,

संयुक्त शासन सचिव

Government Central Press, Jaipur.